मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांक: 05 मई 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	05-05-14	06-05-14	07-05-15	08-05-15	09-05-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	1
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	45	44	44	44	43
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	24	24	25	25	25
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	2	3	4	4
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	26	32	38	42	58
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	11	13	16	18	22
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	5	11	14	12	10
हवा की दिशा	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:

सिंचित कपास की बुवाई का सही समय 10 मई से 31 मई है। सिंचित कपास की उन्नत किस्में –

देशी कपास: आर जी 8 व आर जी 18

अमेरिकन कपास: बीकानेरी नरमा, गंगानगर अगेती तथा आर.एस.टी.–9

बीज दर: देशी कपास की बुवाई हेतु 12 से 15 व अमेरिकन कपास के लिए 15 से 16 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग में लें।

बीज उपचार: बीज जनित रोगों से बचाने के लिए 4 ग्राम ट्राईकोर्डमा से प्रति किलो बीज को उपचारित कर बुवाई करें।

अमेरिकन किस्मों में 75 किलो नत्रजन और 35 किलो फॉसफोरस व देशी किस्मों में 50 किलों नत्रजन और 25 किलो फॉसफोरस प्रति हैक्टेयर दें। फॉसफोरस की पूरी मात्रा तथा नत्रजन की आधी मात्रा बुवाई से पहले ऊर कर दें।

जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की सुविधा है आगामी रबी की फसल मं जीरा लगाना चाहते है तो वह जीरे की फसल पर लगने वाले उखटा रोग के उपचार के लिये अभी से तैयारी करं। जिस खेत में आने वाली रबी में जीरा लगाना है, उसमें सरसों की फलकटी 2.5 टन व 0.5 टन सरसों की खली प्रति हेक्टर का भुरकाव करके तवीये निकाल कर एक पानी तेज गर्मी के समय दें ताकि फलकटी व खल के सड़ने से जो गैस निकले उससे उखटा रोग की फंफूद अभी ही खत्म हो जाये। यह कार्य तेज गर्मी के समय पर करना जरूरी है।

इस मौसम में पशुओं में जल व लवण की कमी, भूख कम होना एवं उत्पादन में कमी, गर्मी के पमुख प्रभाव होते हैं। अतः पशुओ को अत्यधिक धूप व लू से बचाएं।